बिहार बंगाली एसोसिएशन की बैठक आयोजित

बारसोई/कटिहार (एसएनबी)। प्रखंड के आबादपुर पंचायत स्थित ब्राह्मण टोला में बिहार-बंगाली एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बिहार बंगाली के संयुक्त सचिव कटिहार तापस कुमार सिन्हा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में एसोसिएशन के प्रदेश सचिव सुनिर्मल दास एवं जिला सचिव संजय राय शामिल रहे। बैठक में बंगाली साहित्य एवं बंगला भाषा के उत्थान को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। इस मौके पर श्री सिन्हा ने कहा कि सरकारी स्तर पर बंगला भाषा की उपेक्षा के कारण इन दिनों क्षेत्र से यह अत्यंत

बैठक में चर्चा करते एसोसिएशन के सदस्य।

मधुर साहित्य विलुप्त होने के कगार पर आ खड़ा है। उन्होंने चिंता जताते हुये कहा कि सरकारी सेवाओं में खास कर विद्यालयों में इसकी घोर अनदेखी के चलते इन दिनों मजबूरीवश छात्र-छात्रायें इससे विमुख हो रहें है। तपन सिन्हा ने कहा कि हम लोगों के जमाने में उच्च विद्यालय आबादपुर में हद से ज्यादा बांग्ला भाषी के विद्यार्थी थे अब तो यह हो चुका है बांग्ला टीचर नहीं है जिसके चलते बांग्ला भाषा भी लुप्त होते जा रहा है नेता ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बंगला शिक्षकों की नगणयता तथा पठन-पाठन के अभाव कारण यह स्थिति हुयी है। उन्होंने इसके उत्थान के लिए सरकारी स्कूलों में बंगला शिक्षकों की बहाली की बात कही। इस दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने एकमत से क्षेत्र में इसकी शाखा कार्यालय खोलने की बात कही। बैठक में मिहिर मुखर्जी, नारायण पांडेय, नंदगोपाल दास, मो सरीफुल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपेक्षा का शिकार हो रही बांग्ला भाषा

बारसोई | संवाद सूत्र

आबादपुर में बुधवार को बांग्ला भाषा पर विचार विमर्श करते संघ के सदस्य।

प्रखंड के आबादपुर पंचायत स्थित ब्राह्मण टोला ग्राम में बुधवार को बिहार-बंगाली एसोसिएशन की एक बैठक की गयी। अध्यक्षता बिहार बंगाली के संयुक्त सचिव तापस कुमार सिन्हा ने की। बैठक में बंगाली साहित्य एवं बंगला भाषा के उत्थान को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी।

श्री सिन्हा ने कहा कि सरकारी स्तर पर बंगला भाषा की उपेक्षा के कारण इन दिनों क्षेत्र से यह अत्यंत मधुर साहित्य विलुप्त होने के कगार पर है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में खास कर विद्यालयों में इसकी घोर अनदेखी के चलते इन दिनों मजबूरीवश छात्र छात्राएं इससे विमुख हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्च विद्यालय आबादपुर में काफी संख्या में बंगाली भाषा के विद्यार्थी थे। लेकिन अब बांग्ला शिक्षक नहीं है जिसके चलते बांग्ला भाषा भी लुप्त होते जा रहा है। स्कूलों में बांग्ला शिक्षकों की कमी व पठन पाठन के अभाव कारण यह स्थिति हुई है। बैठक में मिहिर मुखर्जी, नारायण पांडेय, नंदगोपाल दास, मो. सरीफुल मौजूद रहे।

बिहार- बंगाली एसोसिएशन की हुई बैठक

आबादपुर. थाना क्षेत्र के आबादपुर पंचायत स्थित ब्राह्मण टोला ग्राम में बिहार-बंगाली एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को आयोजित हुई. बैठक भाजपा नेता व एसोसिएशन के संयुक्त सचिव तापस कुमार सिन्हा की अगुवाई में आयोजित हुई. जिसमें प्रदेश सचिव सुनिर्मल दास एवं जिला सचिव संजय राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. बैठक में बंगाली साहित्य एवं बंगला भाषा के उत्थान को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी. इस मौके पर तापस सिन्हा ने कहा कि सरकारी स्तर पर बंगला भाषा की उपेक्षा के कारण इन दिनों क्षेत्र से यह अत्यंत मधुर साहित्य विलुप्त होने के कगार पर आ खड़ा है. उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में खासकर विद्यालयों में इसकी घोर अनदेखी के चलते इन दिनों मजबूरीवश छात्र-छात्राएं इससे विमुख हो रहें हैं. भाजपा नेता ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बंगला शिक्षकों की नगणयता तथा पठन-पाठन के अभाव कारण यह स्थिति हुई है. उन्होंने इसके उत्थान के लिए सरकारी स्कूलों में बंगला शिक्षकों की बहाली की बात कही. इस दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने एकमत से क्षेत्र में इसकी शाखा कार्यालय खोलने की बात कही. बैठक में मिहिर मुखर्जी, नारायण पांडेय, नंदगोपाल दास, मो सरीफुल, तरुण बनर्जी, चैताली चक्रबर्ती, कोशिश मुखर्जी मौजूद थे.